

” सेवा हृदय और आत्मा को पवित्र करती है. सेवा से ज्ञान प्राप्त होता है और यही मनुष्य के जीवन का असली लक्ष्य है ।”

दिनांक 18-12-24 को सेंट मॉन्टफोर्ट विद्यालय भोपाल में सामुदायिक सेवा कार्यक्रम दो चरणों में संपन्न हुआ। इसके अंतर्गत छात्रों का एक समूह स्नेह भवन जहांगीराबाद उपप्राचार्य ग्रीगेरी बा, कोऑर्डिनेटर सिस्टर चैतन्या, शिक्षिका मिस संगीता हसीजा और , कैलाश सर गये तो वहीं दूसरे समूह ने –पिलर माता ट्रेनिंग स्कूल प्रकाश विद्यालय सिस्टर जेनी, श्री अजय निपुंगे, मिस ममता शर्मा और श्रीमती दीपा पिल्लै ने दौरा किया। कक्षा 3 से 11वीं तक के लगभग 45 छात्रों ने प्रकाश विद्यालय, कन्या छात्रावास का दौरा किया, जो पिलर फादर्स द्वारा चलाया जाता है, जो 2 से 16 वर्ष की आयु के गरीब और अनाथ बच्चों की शैक्षिक और पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। बिना किसी परिवार के सदस्य के अनाथ बच्चों को देखकर वे बहुत प्रभावित हुए और उन्हें एक परिवार की आवश्यकता और महत्व का अहसास हुआ। छात्रों ने उनके साथ बातचीत की और समय बिताया। यह वास्तव में सभी छात्रों के लिए दिल को छू लेने वाला था।

विभिन्न कक्षाओं के प्रत्येक छात्र ने अलग-अलग स्टेशनरी आइटम जैसे पेन, पेंसिल, रबर, कॉपी, इरेजर, प्रसाधन सामग्री जैसे कपड़े धोने का साबुन, नहाने का साबुन, टूथब्रश, टूथपेस्ट और चावल, दाल और गेहूँ का आटा जैसे अनाज का योगदान दिया।

वास्तव में विद्यालय का उद्देश्य न केवल युवा-पीढ़ी की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करना है, बल्कि छात्रों में मानवता पैदा करने का भी काम करना है और इस प्रकार प्यार, खुशी, सम्मान, मानव जाति की सेवा, दान आदि की नींव रखता है।

सेवा-भावना भगवान और देश के लिए, सेंट मॉन्टफोर्ट स्कूल, भोपाल का आदर्श वाक्य स्वयं स्पष्ट है कि मोन्टफोर्ट ने भगवान और अपने देश की सेवा करना सिखाया और विद्यालय के छात्र मानवता और देशभक्ति सीखते हैं।

परोपकार और सामाजिक कल्याण के उद्देश्य से, हमारे स्कूल के छात्रों ने वंचितों और जरूरतमंदों की मदद की। प्रत्येक छात्र ने इसे अपनी जिम्मेदारी मानते हुए स्टेशनरी वस्तुओं से लेकर अनाज, दालें, चीनी आदि तक के लिए उदारतापूर्वक योगदान दिया।

स्नेह भवन जहांगीराबाद, मदर टेरेसा मिशनरी द्वारा संचालित है। जहाँ के लिए विद्यालय के कक्षा तीसरी से लेकर ग्यारहवीं तक के कुल 46 छात्र शामिल हुए। यह कार्यक्रम अपने से बड़ों के प्रति एवं गरीबों के प्रति पूर्ण समर्पण एवं दया भाव को उद्घाटित करता है। छात्रों ने वहाँ पहुँच कर सबसे पहले ईश्वर से प्रार्थना की और बुजुर्गों से बातचीत भी की। बुजुर्ग लोग अपनी जीवन भुला कर आपसी प्रेम से खुशी से रहते हैं। उनके मनोरंजन के लिये छात्रों ने प्रस्तुतियाँ दीं। और इस दौरान उनके साथ मिलकर कुछ खेल भी खेलें। विद्यालय के शिक्षक कैलाश सर ने कुछ सामान्य व्यायाम भी सिखाएँ। सभी छात्रों ने वृद्धाश्रम के वातावरण से प्रभावित हो कर उनकी व्यथा को सुना जिसके पश्चात् खाने की सामग्री बाँटी और उनके साथ समय व्यतीत किया। उनकी आँखों में खुशी और छात्रों के लिये प्यार देखकर वे सारे दुःख भूल गए। यह अनुभव वाकई भावुक कर देने वाला था। छात्रों को उन बुजुर्गों से यह सीख मिली कि हमें हर हाल में खुश रहना चाहिये। सभी लोग इन सभी वस्तुओं चीजों से प्रसन्न थे और उन्होंने बच्चों को ढेर सारी आशीर्वाद दिया। विद्यार्थी जरूरतमंदों के प्रति आध्यात्मिक, सामाजिक एवं भावनात्मक अनुभूति से ओत-प्रोत थे।

आश्रम में रहने वाले वृद्ध-मजबूरी के कारण यहाँ पर रह रहे हैं। जाते समय दिव्यांग लोगों, वृद्धों से बातचीत कर उनका हाल भी जाना। उपर्युक्त विद्यालय के संचालकों ने छात्रों का अभिवादन एवं आभार व्यक्त किया। इन दोनों सफल कार्यक्रम में प्राचार्य ब्रदर मोनाचन के के, उपप्राचार्य ग्रीगेरी बा, सिस्टर जैनी सिस्टर चैतन्या, श्रीमती ज्योति विबिन नायर एवं सभी कक्षा अध्यापिकाओं का पूर्ण योगदान रहा।

मिस संगीता हसीजा

## St. Montfort Senior Secondary School, Bhopal

### Charity Day Celebration

**"Charity is a supreme virtue and the great channel through which the mercy of God is passed on to mankind. It is the virtue that unites men and inspires their noblest efforts."**

**Conrad Hilton**

As part of our community outreach program, a team of St. Montfort Senior Secondary School, Bhopal visited an Old Age Home and an Orphanage located in Bhopal on **18<sup>th</sup> December 2024**. The objective of this visit was to interact with the residents, understand their needs, and provide support in any way possible.

The first group comprising 45 students from 3<sup>rd</sup> to 11<sup>th</sup> with their representatives, Vice Principal of the school Rev. Brother Gregory Baa, Sr. Chaitanya, Ms. Sangeeta Hasija and Mr. Kailash Katrwara visited '**Sneha Bhawan, Jhangirabad**' - **An Old Age Home**. Upon arrival, they were warmly welcomed by the staff and residents of the old age home. The visit began with prayer song by students which set a positive and uplifting tone for the rest of the program. The residents joined in, singing along with enthusiasm and devotion. Following the prayer song, the Physical Education teacher Mr. Kailash Katrwara engaged the residents in a gentle exercise session including simple stretches, mobility exercises, and breathing techniques. The residents participated with eagerness, and it was heartwarming to see them enjoying the physical activity. As an act of charity food packets, and toiletries were distributed to them. Throughout the exercise session, students interacted with the residents, they shared their thoughts, experiences, and stories. This helped to create a sense of community and social connection among the residents.

To provide support and bring joy to the orphan children as part of the school's charity service program, the second group with students and their representative, Sr. Jainy, Mrs. Deepa Pillai, Mr. Ajay Nipunge and Ms. Mamta Sharma visited '**Pilor Mata Tailoring School, and Prakash Vidyalay girls hostel**.' The Pilor Mata Tailoring School, founded by Father Franklyn, established in 1984, has been dedicated to the welfare and education of underprivileged children, running its own school named Prakash Vidhyalaya. The team was warmly welcomed by the orphanage staff and children. The students led a prayer session, offering blessings and well-wishes to the children. The children participated enthusiastically, and the prayer session created a sense of calmness and positivity. The children delighted the team with a cultural program, showcasing their talents in the form of dance and music. They also engaged in conversations with the children, listening to their stories, hopes, and dreams followed by playing games, which brought immense joy to the children. The students distributed stationery items and food packets to the children collected from all students as an act of generosity.

The Charity Day initiative was a meaningful and successful effort in spreading kindness and understanding. The visit to an Old Age Home and an Orphanage was a heartwarming and enriching experience. The students were touched by the resilience and spirit of the senior citizen and an underprivileged kids. The school is committed to providing ongoing support and care as it believes that our charity service program makes a positive impact on the lives of the orphan children. The school community is very grateful for the guidance and leadership of the Honorable Principal, Rev. Brother Monachan K.K. The visit was a deeply moving experience for all participants and teachers, instilling in them the values of empathy and mercy.

**Vidhya Sonwane**